

KOSSUTH LAJOS TUDOMÁNYEGYETEM

TAXNER-TÓTH ERNŐ

*Kölcsey és Vörösmarty  
kora és szelleme*



Debrecen, 1996

## TARTALOMJEGYZÉK

|   |    |
|---|----|
| BEVEZETŐ .....  | 3  |
| A romantika kora? .....                                   | 3  |
| MŰVELŐDÉSTÖRTÉNETI ÖSSZEFOGLALÁS .....                    | 5  |
| I. Európai változások .....                               | 5  |
| A sokszorosítás (nyomtatás) .....                         | 5  |
| A sokszorosítás következményei .....                      | 6  |
| A szépirodalom „születése” .....                          | 6  |
| Európa világhuralmi törekvése .....                       | 7  |
| Az egyéniség és a köz .....                               | 7  |
| Közjó, közboldogság és haszonelvűség .....                | 9  |
| Nyilvánosság .....  | 9  |
| II. Hazai változások .....                                | 10 |
| A magyar világ .....                                      | 10 |
| Hazai művelődés .....                                     | 11 |
| A magyar alkotmány .....                                  | 11 |
| Az 1790 utáni változások .....                            | 12 |
| Tudás és újság .....                                      | 13 |
| Magyar nyelvű színjátszás .....                           | 14 |
| Pest .....  | 15 |
| Színjátszás a XIX. század elején .....                    | 16 |
| III. A reformkor kibontakozása .....                      | 18 |
| Történelmi változások .....                               | 18 |
| Folyóiratok, almanachok .....                             | 18 |
| Magyar Tudós Társaság .....                               | 20 |
| Az 1825-ös országgyűlés .....                             | 20 |
| Széchenyitől Eötvösig .....                               | 21 |
| Az érdekegyesítés eszméje az 1832-es országgyűlésen ..... | 22 |
| IV. Irodalmi változások .....                             | 25 |
| Kazinczy szerepe .....                                    | 25 |
| Kazinczy műveltségeszménye .....                          | 26 |
| Kisfaludy Károly „berobbanása” .....                      | 28 |
| A Stibor vajda .....                                      | 29 |
| Az Irene .....  | 30 |
| Közönségsiker keresése – más eszközökkel .....            | 32 |
| Kisfaludy, a költő és kultusza .....                      | 33 |
| V. Polgárosodás .....                                     | 35 |
| Ház és haza .....   | 35 |
| Ipar- és képzőművészet .....                              | 36 |
| Zene, tánc .....  | 37 |
| Nemzeti Színház .....                                     | 39 |

|   |           |
|---|-----------|
| A szépirodalom jelentősége .....                      | 40        |
| <b>KÖLCSEY FERENC (1790–1838) .....</b>               | <b>41</b> |
| I. Pályakezdése .....                                 | 41        |
| Család és iskola .....                                | 41        |
| Kazinczy „iskolája” .....                             | 42        |
| Pest .....  | 42        |
| Álmosd .....  | 43        |
| Mi a poézis? .....                                    | 44        |
| Az andalgások .....                                   | 46        |
| Génius száll... ..                                    | 46        |
| A Jegyváltó .....                                     | 47        |
| Ábránd .....  | 47        |
| Érzelmi kielégítetlenség .....                        | 47        |
| II. A péceli fordulat: az önkifejezés új formái ..... | 48        |
| Irány: Bécs .....                                     | 48        |
| Új hangok .....                                       | 48        |
| A Rákos Nymphájához és az Elfojtódás .....            | 49        |
| A reményhez .....                                     | 50        |
| Iskola és világ: – tanács vagy tanulmány? .....       | 51        |
| III. A Tudományos Gyűjtemény megjelenése .....        | 52        |
| Újból Pesten .....                                    | 52        |
| — A Csokonai-kritika .....                            | 52        |
| — A Berzsényi-kritika .....                           | 54        |
| A Berzsényi-kritika következményei .....              | 55        |
| Rákóczi hajh... ..                                    | 56        |
| Lasztóc .....   | 57        |
| IV. Élet és irodalom: újabb fordulat .....            | 58        |
| Versek 1823 előtt .....                               | 58        |
| A Hymnus .....  | 60        |
| — Vanitatum Vanitas .....                             | 60        |
| Közjáték .....  | 62        |
| Kétség, nyugtalanság .....                            | 63        |
| A Mohács .....  | 64        |
| — Kritika és játékszín .....                          | 66        |
| — Nemzeti hagyományok: embersors .....                | 67        |
| Közbevetés: Töredékek a vallásról .....               | 68        |
| Nemzeti hagyományok: az ember és világ viszonya ..... | 69        |
| Nemzeti hagyományok: a költő lehetőségei .....        | 70        |
| Nemzeti hagyományok: a fejlődés kérdése .....         | 71        |
| Nemzeti hagyományok: erkölcsi kötelesség .....        | 72        |
| V. A politikus .....                                  | 72        |
| Föllépése Szatmár megyében .....                      | 72        |
| Haza és haladás .....                                 | 74        |
| — Az Országgyűlési napló .....                        | 74        |
| VI. Pozsony után .....                                | 75        |
| Új élmények hatásai .....                             | 75        |
| Két emlékbeszéd .....                                 | 76        |
| — A Parainesis .....                                  | 76        |

|   |     |
|---|-----|
| Az utolsó dalok .....   | 77  |
| Zrínyi szerepében: először .....                                    | 78  |
| Zrínyi szerepében: másodszer .....                                  | 79  |
| Zrínyi dala: „A méreg ég...” .....                                  | 79  |
| Kitekintés .....  | 81  |
| <b>VÖRÖSMARTY MIHÁLY (1800–1855)</b> .....                          | 82  |
| <b>I. Lírai pályakezdése</b> .....                                  | 82  |
| Iskolái .....   | 82  |
| Költői tanulmányai .....  | 83  |
| Alkalmi költészet .....   | 84  |
| A völgyi lakos .....  | 85  |
| Helvilához .....  | 86  |
| Földi menny .....   | 87  |
| Helvila halálán .....   | 88  |
| Az első siker után .....  | 88  |
| Vágy .....  | 90  |
| A magány és erőszak .....   | 92  |
| Szép Ilonka .....   | 93  |
| <b>II. Az epikus költő</b> .....                                    | 94  |
| Műfajválasztása .....   | 94  |
| Zalán futása: történelmi téma .....                                 | 96  |
| Zalán futása: az emberi tényező .....                               | 96  |
| Zalán futása: költészet .....                                       | 97  |
| Cserhalom, Eger .....   | 98  |
| Tündérvölgy, A Délsziget, Magyarvár, A rom, A két szomszédvár ..... | 99  |
| <b>III. A drámaíró</b> .....  | 99  |
| Az elbúsult deák .....  | 99  |
| A Salamon-dráma .....   | 100 |
| A bujdosók .....  | 102 |
| <b>IV. A Csongor és Tünde</b> .....                                 | 104 |
| Rejtelmes egység .....  | 104 |
| Hármas utak .....   | 107 |
| Az emberlét titkai .....  | 110 |
| A vándorút .....  | 113 |
| „S boldog alkotójuk – én” .....                                     | 117 |
| Ellentétek – ellentmondások .....                                   | 120 |
| A Csongor és Tünde filozófiája .....                                | 122 |
| Író és közönség .....   | 123 |
| A színház szolgálatában .....                                       | 124 |
| <b>V. Az érett lírikus</b> .....                                    | 125 |
| Műfaji kérdések .....   | 125 |
| Népdalok hangján .....  | 126 |
| Alkalmak ösztönző hatása .....                                      | 128 |
| A nők közéleti szerepe .....  | 130 |
| A Laurához írott versek .....                                       | 131 |
| A merengőhöz .....  | 133 |
| Keserű pohár .....  | 134 |
| A közönségteremtő .....   | 135 |

|  |         |
|--|---------|
| Alkalmi versek .....                       | 136     |
| Liszt Ferenchez .....                      | 138     |
| A Fóti dal .....                           | 139     |
| Rossz és jó bor .....                      | 141     |
| Erősödő politikai küzdelmek sodrában ..... | 142     |
| Országháza .....                           | 144     |
| Mi baj?, Jóslat, Harci dal .....           | 145     |
| V. Csúcsok .....                           | 147     |
| A Szózat .....                             | 147     |
| A Guttenberg-alumba .....                  | 148     |
| Gondolatok a könyvtárban .....             | 149     |
| Az emberek és az Ember élete .....         | 152     |
| Az Előszó .....                            | 155     |
| A vén cigány .....                         | 158     |
| Zárszó .....                               | 160     |
| <br>TARTALOMJEGYZÉK .....                  | <br>163 |

Debreceni Egyetemi Könyvtár  
Lelt.

23.118 - 1999